महिला विवि में लांच किया देश का प्रकृति परीक्षण अभियान

खानपुर कलां, चेतना संवाददाता। आयुष मंत्रालय का देशव्यापी अभियान देश का प्रकृति परीक्षण अभियान एक राष्ट्रव्यापी स्वास्थ्य जागरूकता पहल है, जिसका उद्देश्य पूरे भारत में स्वास्थ्य सेवा जागरूकता में क्रांति लाना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में शुरू की गई यह पहल आयुर्वेद को हर घर के करीब लाते हुए नागरिकों को उनकी अनूठी प्रकृति को समझने और व्यक्तिगत, निवारक स्वास्थ्य प्रथाओं को अपनाने में सशक्त बनाने में सहायक होगी। यह उद्गार भगत फूल सिंह महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने विवि में इस अभियान की शुरुआत करते हुए व्यक्त किए।

कुलपति प्रो. सुदेश ने प्रकृति परीक्षण एप डाउनलोड कर इस अभियान को महिला विवि में लांच किया। उन्होंने कहा कि यह ज्ञान प्रतिभागियों को बेहतर स्वास्थ्य और बीमारी की रोकथाम के लिए अपनी जीवन शैली, आहार और व्यायाम दिनचर्या को अनुकूलित करने में सक्षम बनाएगा। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद के अनुसार हर व्यक्ति की अपनी विशिष्ट प्रकृति होती है, जो जन्म के समय ही निश्चित हो जाती है। प्रकृति का ज्ञान व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने महिला विवि के सभी हितधारकों को इस अभियान में बढ़चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग (एनसीआईएसएम) द्वारा प्रबंधित देश का प्रकृति परीक्षण अभियान का संयोजन महिला विवि के एम.एस.एम. आयुर्वेद संस्थान द्वारा किया जा रहा है। प्रारंभ में संयोजक डॉ. महेंद्र शर्मा ने अभियान की पृष्ठभूमि एवं उद्देश्य पर प्रकाश डाला। इस दौरान संस्थान की प्रिंसिपल इंचार्ज डॉ. वीणा अग्रवाल, नोडल अधिकारी डॉ. गोविंद गुप्ता, डॉ. जी.के. पांडा सहित संस्थान के प्राध्यापक एवं छात्राएं मौजूद रही।

गलीLABS Women sneakers
Gully Labs

Play / Stop Audio

कुलपति प्रो. सुदेश ने महिला विवि में लांच किया 'देश का प्रकृति परीक्षण अभियान'

Girish Saini Nov 26, 2024 10:03 0

खानपुर कलां, गिरीश सैनी। आयुष मंत्रालय का देशव्यापी अभियान 'देश का प्रकृति परीक्षण अभियान' एक राष्ट्रव्यापी स्वास्थ्य जागरूकता पहल है, जिसका उद्देश्य पूरे भारत में स्वास्थ्य सेवा जागरूकता में क्रांति लाना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में शुरू की गई यह पहल आयुर्वेद को हर घर के करीब लाते हुए नागरिकों को उनकी अनूठी प्रकृति को समझने और व्यक्तिगत, निवारक स्वास्थ्य प्रथाओं को अपनाने में सशक्त बनाने में सहायक होगी। यह उद्गार भगत फूल सिंह महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने विवि में इस अभियान की शुरुआत करते हुए व्यक्त किए।

गलीLABS Men sneakers
Gully Labs

कुलपति प्रो. सुदेश ने प्रकृति परीक्षण एप डाउनलोड कर इस अभियान को महिला विवि में लांच किया। उन्होंने कहा कि यह ज्ञान प्रतिभागियों को बेहतर स्वास्थ्य और बीमारी की रोकथाम के लिए अपनी जीवन शैली, आहार और व्यायाम दिनचर्या को अनुकूलित करने में सक्षम बनाएगा। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद के अनुसार हर व्यक्ति की अपनी विशिष्ट प्रकृति होती है, जो जन्म के समय ही निश्चित हो जाती है। प्रकृति का ज्ञान व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने महिला विवि के सभी हितधारकों को इस अभियान में बढ़चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग (एनसीआईएसएम) द्वारा प्रबंधित 'देश का प्रकृति परीक्षण अभियान' का संयोजन महिला विवि के एम.एस.एम. आयुर्वेद संस्थान द्वारा किया जा रहा है। प्रारंभ में संयोजक डॉ. महेंद्र शर्मा ने अभियान की पृष्ठभूमि एवं उद्देश्य पर प्रकाश डाला। इस दौरान संस्थान की प्रिंसिपल इंचार्ज डॉ. वीणा अग्रवाल, नोडल अधिकारी डॉ. गोविंद गुप्ता, डॉ. जी.के. पांडा सहित संस्थान के प्राध्यापक एवं छात्राएं मोजूद रही।

Tags: Vice Chancellor Prof. Sudesh | Nature Testing Campaign of Country | Women's University

RELATED POSTS

फ्यूचर ऑफ टेक्नोलोजी विषय पर सेमिनार आयोजित

संविधान दिवस पर पोस्टर मेकिंग में सानवी, नारा लेखन में...

रोजगार योग्यता कौशल विकास विषय पर कार्यशाला संपन्न

COMMENTS

Name
Email
Comment
I'm not a robot
Post Comment

POPULAR POSTS

Weekly Posts

- Date for resuming India-UK free trade talks to be finalised...
- Piyush Goyal urges industry to utilise Rs 1 lakh crore...
- State-of-the-Art Disdrometer installed at Gaggal Airport...
- Real Estate Industry Pin Hopes on Maharashtra Government...
- Offset Printers Association to usher in a new era of leadership...

FOLLOW US

Facebook | X (Twitter) | Linkedin | Youtube | Email

RECOMMENDED POSTS

Opinion
Resisting the new colonial masters: How India's sovereignty...

- Vikrant Massey talks about responsibility of media as the...
- Your love for sarees may raise risk of skin cancer, warns...
- How kidney problems raise risk of strokes
- Limiting sugar consumption early can prevent chronic disease...
- Wayanad has realised BJP will pave path to development:...

CONTACT US

For Advertisement, News, Article, Advertorial, Feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechieFormation

Play / Stop Audio

संवैधानिक मूल्यों को सुदृढ़ करने की दिशा में सामूहिक प्रयास किए जाने की जरूरतः कुलपति प्रो. सुदेश

संविधान दिवस पर क्विज में नैना व कशिश की टीम प्रथम।

Girish Saini Nov 26, 2024 08:36 0

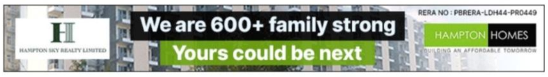

खानपुर कलां, गिरीश सैनी। हमें अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक रहना चाहिए। भारत का संविधान जहां हमें अपने मौलिक अधिकारों के संरक्षण का अधिकार देता है, वहीं हमें राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों के पालन की प्रेरणा भी देता है। ये विचार भगत फूल सिंह महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने विधि विभाग द्वारा मंगलवार को भारतीय संविधान की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित संविधान दिवस कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कहे। उन्होंने इस कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए उपस्थित जन को संविधान दिवस की शुभकामनाएं दी।

अपने प्रभावशाली संबोधन में कुलपति प्रो. सुदेश ने संविधान निर्माण की प्रक्रिया और इसमें निहित साधनों से अवगत कराया। संविधान निर्मात्री सभा के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि अलग-अलग पृष्ठभूमि से आए संविधान सभा के सदस्य सबसे विविध हितों का प्रतिनिधित्व करते थे। सभी सदस्यों ने संविधान निर्माण के दौरान जटिल मुद्दों पर ईमानदारी और दृढ़ विश्वास के साथ चर्चा और बहस की। कुलपति ने कहा कि कानून, नीति और शासन के जटिल मुद्दों पर एक साथ आने, चर्चा करने और बहस करने की यह क्षमता संविधान सभा की पहचान थी।

संविधान निर्मात्री समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अंबेडकर को नमन करते हुए कुलपति प्रो. सुदेश ने उनके अभूतपूर्व योगदान को स्मरण किया। संविधान निर्मात्री सभा में शामिल महिला शक्ति को भी उन्होंने याद किया। उन्होंने संवैधानिक मूल्यों को सुदृढ़ करने की दिशा में सामूहिक प्रयास किए जाने की जरूरत पर बल दिया। कुलपति कुलपति ने उपस्थित जन को संविधान शपथ भी दिलवाई।

वक्ता के रूप में विधि विभाग से डॉ. पवन कुमार ने संविधान के ऐतिहासिक प्रारूप सहित वर्तमान में संविधान के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि संविधान में दिए गए अधिकारों के चलते महिलाएं शिक्षा, खेल, राजनीति सहित प्रत्येक क्षेत्र में अहम भूमिका निभा रही हैं।

प्रारंभ में विधि विभागाध्यक्षा डॉ. सीमा दहिया ने स्वागत संबोधन किया तथा कार्यक्रम की रूपरेखा साझा की। इस मौके पर संविधान पर आधारित एक क्विज कंपटीशन भी आयोजित किया गया, जिसमें नैना व कशिश की टीम प्रथम, बूंद व माधवी की टीम दूसरे तथा कविता शर्मा व बरखा जैन की टीम तीसरे स्थान पर रही। इस दौरान विधि विभाग के प्राध्यापक, शोधार्थी एवं छात्राएं मौजूद रही।

Tags: collective efforts | strengthening constitutional values | VC Prof. Sudesh

RELATED POSTS

कुलपति प्रो. सुदेश ने महिला विवि में लांच किया 'देश का...

फ्यूचर ऑफ टेक्नोलोजी विषय पर सेमिनार आयोजित

संविधान दिवस पर पोस्टर मेकिंग में सानवी, नारा लेखन में...

COMMENTS

Name

Email

Comment

I'm not a robot

Post Comment

POPULAR POSTS

Weekly Posts

Date for resuming India-UK free trade talks to be finalised...

Piyush Goyal urges industry to utilise Rs 1 lakh crore...

State-of-the-Art Disdrometer installed at Gaggal Airport...

Real Estate Industry Pin Hopes on Maharashtra Government...

Offset Printers Association to usher in a new era of leadership...

FOLLOW US

Facebook | X (Twitter) | Linkedin | Youtube | Email

RECOMMENDED POSTS

Opinion
Resisting the new colonial masters: How India's sovereignty...

Vikrant Massey talks about responsibility of media as the...

Your love for sarees may raise risk of skin cancer, warns...

How kidney problems raise risk of strokes

Limiting sugar consumption early can prevent chronic disease...

Wayanad has realised BJP will pave path to development:...

CONTACT US

For Advertisement, News, Article, Advertorial, Feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechieFormation

Terms & Conditions | Privacy Policy

'देश का प्रकृति परीक्षण अभियान' बी.पी.एस. में भी प्रारंभ

गोहाना मुद्रिका न्यूज, 26 नवम्बर : आयुष मंत्रालय का देशव्यापी अभियान 'देश का प्रकृति परीक्षण अभियान' एक राष्ट्रव्यापी स्वास्थ्य जागरूकता पहल है। यह पहल आयुर्वेद को हर घर के करीब लाते हुए नागरिकों को उनकी अनूठी प्रकृति को समझने और व्यक्तिगत, निवारक स्वास्थ्य प्रथाओं को अपनाने में सशक्त बनाने में सहायक होगी। यह उद्गार बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो. सुदेश ने आज इस अभियान की शुरुआत विश्वविद्यालय परिसर में करते हुए व्यक्त किए।

प्रो. सुदेश ने प्रकृति परीक्षण एप डाउनलोड कर इस अभियान को महिला विश्वविद्यालय में लांच किया। उन्होंने कहा कि यह ज्ञान प्रतिभागियों को बेहतर स्वास्थ्य और बीमारी की रोकथाम के लिए अपनी जीवन शैली, आहार और व्यायाम दिनचर्या को अनुकूलित करने में सक्षम बनाएगा। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद के अनुसार हर व्यक्ति की अपनी विशिष्ट प्रकृति होती है, जो जन्म के समय ही निश्चित हो जाती है। प्रकृति का ज्ञान व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग (एन.सी.आई.एस.एम.) द्वारा प्रबंधित 'देश का प्रकृति परीक्षण अभियान' का संयोजन महिला विश्वविद्यालय के एम.एस.एम. आयुर्वेद संस्थान द्वारा किया जा रहा है। प्रारंभ में संयोजक डॉ. महेंद्र शर्मा ने इस अभियान की पृष्ठभूमि एवं उद्देश्य पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर आयुर्वेद संस्थान की प्रिंसिपल इंचार्ज डॉ. वीणा अग्रवाल, अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. गोविंद गुप्ता, डॉ. जी.के. पांडा सहित संस्थान के प्राध्यापक एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

पंजाब केसरी
WED,27 NOVEMBER 2024
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 3

बी.पी.एस. में देश का प्रकृति परीक्षण अभियान प्रारंभ

देश का प्रकृति परीक्षण अभियान' का महिला विश्वविद्यालय में शुभारंभ करते हुए वी.सी. प्रो. सुदेश। (अरोड़ा)

गोहाना, 26 नवम्बर (अरोड़ा): आयुष मंत्रालय का देशव्यापी अभियान 'देश का प्रकृति परीक्षण अभियान' एक राष्ट्रव्यापी स्वास्थ्य जागरूकता पहल है।

यह पहल आयुर्वेद को हर घर के करीब लाते हुए नागरिकों को उनकी अनूठी प्रकृति को समझने और व्यक्तिगत, निवारक स्वास्थ्य प्रथाओं को अपनाने में सशक्त बनाने में सहायक होगी। यह उद्गार बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो. सुदेश ने आज इस अभियान की शुरुआत विश्वविद्यालय परिसर में करते हुए व्यक्त किए।

प्रो. सुदेश ने प्रकृति परीक्षण एप डाउनलोड कर इस अभियान को महिला विश्वविद्यालय में लांच किया। उन्होंने कहा कि यह ज्ञान प्रतिभागियों को बेहतर स्वास्थ्य और बीमारी की रोकथाम के लिए अपनी जीवन शैली, आहार और व्यायाम दिनचर्या को अनुकूलित करने में सक्षम बनाएगा।

उन्होंने कहा कि आयुर्वेद के अनुसार हर व्यक्ति की अपनी विशिष्ट प्रकृति होती है, जो जन्म के समय ही निश्चित हो जाती है। प्रकृति का ज्ञान व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग (एन.सी.आई.एस.एम.) द्वारा प्रबंधित 'देश का प्रकृति परीक्षण अभियान' का संयोजन महिला विश्वविद्यालय के एम.एस. एम. आयुर्वेद संस्थान द्वारा किया जा रहा है।

प्रारंभ में संयोजक डॉ. महेंद्र शर्मा ने इस अभियान की पृष्ठभूमि एवं उद्देश्य पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर आयुर्वेद संस्थान की प्रिंसिपल इंचार्ज डॉ. वीणा अग्रवाल, अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. गोविंद गुप्ता, डॉ. जी.के. पांडा सहित संस्थान के प्राध्यापक एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

पंजाब केसरी WED,27 NOVEMBER 2024
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 4

संवैधानिक मूल्यों को सुदृढ़ करने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी : प्रो. सुदेश

वी.सी. प्रो. सुदेश छात्राओं को संबोधित करते हुए। (अरोड़ा)

गोहाना, 26 नवम्बर (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के विधि विभाग द्वारा मंगलवार को भारतीय संविधान की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में संविधान दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो. सुदेश रहीं। उन्होंने कहा कि संवैधानिक मूल्यों को सुदृढ़ करने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाने की जरूरत है।

संविधान निर्मात्री सभा के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रो. सुदेश ने कहा कि अलग-अलग पृष्ठभूमि से आए संविधान सभा के सदस्य विविध हितों का प्रतिनिधित्व करते थे। सभी सदस्यों ने संविधान निर्माण के दौरान जटिल मुद्दों पर ईमानदारी और दृढ़ विश्वास के साथ चर्चा और बहस की। उन्होंने कहा कि कानून, नीति और शासन के जटिल मुद्दों पर एक साथ आने, चर्चा करने और बहस करने की यह क्षमता संविधान सभा की पहचान थी।

वी.सी. ने कहा कि हमें अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के लिए भी जागरूक रहना चाहिए। भारत का संविधान एक तरफ जहां हमें अपने मौलिक अधिकारों के संरक्षण का अधिकार देता है, वहीं दूसरी ओर हमें अपने राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों के पालन की प्रेरणा भी देता है। विधि विभाग से डॉ. पवन कुमार ने कहा कि संविधान में दिए गए अधिकारों के चलते महिलाएं शिक्षा, खेल, राजनीति सहित प्रत्येक क्षेत्र में अहम भूमिका निभा रही हैं।

संविधान पर आधारित एक क्विज कंपटीशन भी आयोजित किया गया। क्विज संयोजक डॉ. प्रमोद मलिक ने बताया कि नैना व कशिश की टीम प्रथम, बूंद व माधवी की टीम दूसरे तथा कविता शर्मा व बरखा जैन की टीम तीसरे स्थान पर रही।

देश का प्रकृति परीक्षण अभियान किया लांच

महिला विश्वविद्यालय में देश का प्रकृति परीक्षण अभियान लांच करते हुए कुलपति प्रो. सुदेश, साथ में प्राध्यापक • सौ. विश्वविद्यालय

वि., गोहाना : आयुष मंत्रालय का देश का प्रकृति परीक्षण अभियान एक राष्ट्रव्यापी स्वास्थ्य जागरूकता पहल है। इसका उद्देश्य पूरे भारत में स्वास्थ्य सेवा जागरूकता में क्रांति लाना है। प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में शुरू की गई यह पहल आयुर्वेद को हर घर के करीब लाते हुए नागरिकों को उनकी अनूठी प्रकृति को समझने और व्यक्तिगत, निवारक स्वास्थ्य प्रथाओं को अपनाने में सशक्त बनाने में सहायक होगी। यह बात भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कही। वे प्रकृति परीक्षण एप डाउनलोड कर अभियान को महिला विश्वविद्यालय में लांच कर रही थीं। उन्होंने कहा कि यह ज्ञान प्रतिभागियों को बेहतर स्वास्थ्य और बीमारी की रोकथाम के लिए अपनी जीवन शैली, आहार और व्यायाम दिनचर्या को अनुकूलित करने में सक्षम बनाएगा। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद के अनुसार हर व्यक्ति की अपनी विशिष्ट प्रकृति होती है, जो जन्म के समय ही निश्चित हो जाती है। प्रकृति का ज्ञान व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के संयोजन डा. महेंद्र शर्मा ने इस अभियान की पृष्ठभूमि एवं उद्देश्य पर प्रकाश डाला। इस मौके पर आयुर्वेद संस्थान की प्राचार्य डा. वीणा अग्रवाल, नोडल अधिकारी डा. गोविंद गुप्ता, डा. जीके पांडा मौजूद रहे।

विवि में देश का प्रकृति परीक्षण अभियान शुरू

सोनीपत के गांव खानपुर कलां में बीपीएस महिला विश्वविद्यालय में देश का प्रकृति परीक्षण अभियान लांच करती कुलपति प्रो. सुदेश व अन्य। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

गोहाना। गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह (बीपीएस) महिला विश्वविद्यालय में मंगलवार को देश का प्रकृति परीक्षण अभियान शुरू किया गया।

इसमें मुख्य अतिथि विवि की कुलपति प्रो सुदेश रही। उन्होंने कहा कि आयुष मंत्रालय का देश का प्रकृति परीक्षण अभियान एक राष्ट्रव्यापी स्वास्थ्य जागरूकता पहल है। इसका उद्देश्य पूरे भारत में स्वास्थ्य सेवा जागरूकता में क्रांति लाना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में शुरू की गई यह पहल आयुर्वेद को हर घर के करीब लाते हुए नागरिकों को उनकी अनूठी प्रकृति को समझने और व्यक्तिगत, निवारक स्वास्थ्य प्रथाओं को अपनाने में सशक्त बनाने में सहायक होगी। कुलपति प्रो. सुदेश ने प्रकृति परीक्षण एप डाउनलोड कर अभियान को महिला विश्वविद्यालय में शुरू किया। उन्होंने कहा कि यह ज्ञान प्रतिभागियों को बेहतर स्वास्थ्य और बीमारी की रोकथाम के लिए अपनी जीवन शैली, आहार और व्यायाम दिनचर्या को अनुकूलित करने में सक्षम बनाएगा।

प्रकृति परीक्षा अभियान आयुष मंत्रालय की एक राष्ट्रव्यापी जागरूकता पहल

उन्होंने कहा कि आयुर्वेद के अनुसार हर व्यक्ति की अपनी विशिष्ट प्रकृति होती है, जो जन्म के समय ही निश्चित हो जाती है। प्रकृति का ज्ञान व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. महेंद्र शर्मा ने अभियान की पृष्ठभूमि एवं उद्देश्य पर प्रकाश डाला। इस मौके पर आयुर्वेद संस्थान की प्राचार्य डॉ. वीणा अग्रवाल, नोडल अधिकारी डॉ. गोविंद गुप्ता, डॉ. जीके पांडा मौजूद रहे।

संविधान दिवस • उपमंडल में सामाजिक संगठनों और शिक्षण संस्थानों ने किया कार्यक्रम, संविधान के पालन की दिलाई शपथ

संविधान हमारे अधिकारों को संरक्षित करने के साथ कर्तव्य भी बताता है

भास्कर न्यूज़ | गोहाना

महिला विवि में छात्राओं को शपथ दिलाते हुए कुलपति प्रो. सुदेश।

उपमंडल में मंगलवार को विभिन्न सामाजिक संगठनों और शिक्षण संस्थानों ने भारतीय संविधान दिवस मनाया। इस अवसर पर जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें जहां विद्यार्थियों को संविधान की जानकारी दी गई, वहीं संविधान का पालन करने का संकल्प भी दिलाया गया। बीपीएस महिला विवि में विधि विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. सुदेश ने छात्राओं को संविधान निर्माण की प्रक्रिया और इसमें निहित साधनों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि अलग-अलग पृष्ठभूमि से आए संविधान सभा के सदस्य सबसे विविध हितों का प्रतिनिधित्व करते थे। कानून, नीति और शासन के जटिल मुद्दों पर एक साथ आने, चर्चा और बहस करने की यह क्षमता संविधान सभा की पहचान थी। भारत का संविधान एक तरफ जहां हमें अपने मौलिक अधिकारों के संरक्षण का अधिकार देता है, वहीं दूसरी ओर हमें अपने राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों के पालन की प्रेरणा भी देता है। उन्होंने छात्राओं को संविधान की शपथ भी दिलाई। वहीं संविधान पर आधारित एक क्विज कंपटीशन भी आयोजित किया गया। क्विज संयोजक डॉ. प्रमोद मलिक के अनुसार कंपटीशन में नैना व कशिश की टीम प्रथम, बूंद व माधवी की टीम द्वितीय और कविता शर्मा व बरखा जैन की टीम तृतीय रहीं। इस मौके पर डॉ. पवन कुमार, डॉ. सीमा दहिया मौजूद रहे।

[redacted]

गोहाना। गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के विधि विभाग में संविधान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने संविधान निर्मात्री सभा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि अलग-अलग पृष्ठभूमि से आए संविधान सभा के सदस्य सबसे विविध हितों का प्रतिनिधित्व करते थे। सभी सदस्यों ने संविधान निर्माण के दौरान जटिल मुद्दों पर ईमानदारी और दृढ़ विश्वास के साथ चर्चा और बहस की।

संविधान निर्मात्री समिति के अध्यक्ष डा. भीमराव आंबेडकर का अभूतपूर्व योगदान रहा। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में नैना व कशिश प्रथम, बूंद व माधवी द्वितीय और कविता शर्मा व बरखा जैन तृतीय रही। अध्यक्षता विभाग की अध्यक्ष डा. सीमा दहिया ने की।

संवैधानिक मूल्यों को सुदृढ़ करने की जरूरत : प्रो. सुदेश

विश्वविद्यालय में संविधान दिवस पर कार्यक्रम में विद्यार्थियों को शपथ दिलाती हुई कुलपति प्रो . सुदेश • सौ. विश्वविद्यालय

वि., गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के विधि विभाग में संविधान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने संविधान निर्मात्री सभा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि अलग-अलग पृष्ठभूमि से आए संविधान सभा के सदस्य सबसे विविध हितों का प्रतिनिधित्व करते थे।

संविधान निर्मात्री समिति के अध्यक्ष डा. भीमराव आंबेडकर का अभूतपूर्व योगदान रहा। उन्होंने संवैधानिक मूल्यों को सुदृढ़ करने की दिशा में सामूहिक प्रयास किए जानें की जरूरत पर बल दिया। कुलपति ने शिक्षकों व छात्राओं को शपथ भी दिलाई।

अध्यक्षता विभाग की अध्यक्ष डा. सीमा दहिया ने की। दूसरी तरफ संविधान दिवस पर गीता विद्या

- **संविधान निर्माण में डा. आंबेडकर का अभूतपूर्व योगदान रहा**
- **गीता विद्या मंदिर के एनसीसी कैडेट्स गोवंश की सेवा की**

मंदिर के एनसीसी कैडेट्स गांव ठसका स्थित गोशाला पहुंचे और गोवंश की सेवा की। इससे पहले स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में छात्रा सृष्टि और छात्र लवकेश ने संविधान दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। जवाहरलाल नेहरू स्कूल के प्राचार्य डा. सचिन शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व में सर्वश्रेष्ठ संविधान हमारा है। संविधान कानूनों का वह लिखित स्वरूप है, जिसके अनुसार किसी देश का शासन चलता है। एमआर स्कूल में भी संव धान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया।

गोहाना : अभियान को लांच करते हुए कुलपति प्रो. सुदेश।

स्वास्थ्य जागरूकता पहल कार्यक्रम की शुरुआत

गोहाना, 26 नवम्बर (रामनिवास धीमान): उपमंडल के गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय कार्यालय के कांफ्रेंस कक्ष में आयोजित देश का प्रकृति परीक्षण अभियान एक राष्ट्रव्यापी स्वास्थ्य जागरूकता पहल कार्यक्रम की कुलपति प्रो. सुदेश ने मंगलवार को शुरुआत की । कुलपति प्रो. सुदेश ने प्रकृति परीक्षण एप डाउनलोड कर इस अभियान को महिला विश्वविद्यालय में लांच किया। उन्होंने कहा कि यह ज्ञान प्रतिभागियों को बेहतर स्वास्थ्य और बीमारी की रोकथाम के लिए अपनी जीवन शैली, आहार और व्यायाम दिनचर्या को अनुकूलित करने में सक्षम बनाएगा। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद के अनुसार हर व्यक्ति की अपनी विशिष्ट प्रकृति होती है, जो जन्म के समय ही निश्चित हो जाती है। उन्होंने महिला विश्वविद्यालय के सभी हितधारकों को इस अभियान में बढ़चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि यह अभियान अपनी प्रकृति के आधार पर शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को ठीक रखने तथा विभिन्न बीमारियों की रोकथाम में मददगार सिद्ध होगा। कार्यक्रम का संयोजन महिला विश्वविद्यालय के एम.एस.एम. आयुर्वेद संस्थान द्वारा किया जा रहा है। प्रारंभ में संयोजक डॉ. महेंद्र शर्मा ने इस अभियान की पृष्ठभूमि एवं उद्देश्य पर प्रकाश डाला।

अजीत समाचार
27-Nov-2024
Page: 9
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
http://www.ajitsamachar.com/20241127/27/9/1_1.cms

क्विज कम्पीटीशन का आयोजन

गोहाना, 26 नवम्बर (रामनिवास धीमान): उपमंडल के गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के विधि विभाग द्वारा मंगलवार को भारतीय संविधान की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में संविधान दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बतौर मुख्य अतिथि महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने इस कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए उपस्थित जन को संबोधित करते संविधान निर्माण की प्रक्रिया और इसमें निहित साधनों से अवगत कराया।

अजीत समाचार
27-Nov-2024
Page: 11
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
http://www.ajitsamachar.com/20241127/27/11/1_1.cms

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Sonipat 27.11.2024 - 27 Nov 2024 - Page 3

प्रकृति परीक्षण एप डाउनलोड कर अभियान को महिला विवि में लांच किया

प्रकृति परीक्षण अभियान राष्ट्रव्यापी पहलः वीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

आयुष मंत्रालय का देश का प्रकृति परीक्षण अभियान एक राष्ट्रव्यापी स्वास्थ्य जागरूकता पहल है। इसका उद्देश्य पूरे भारत में स्वास्थ्य सेवा जागरूकता में क्रांति लाना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में शुरू की गई यह पहल आयुर्वेद को हर घर के करीब लाते हुए नागरिकों को उनकी अनूठी प्रकृति को समझने और व्यक्तिगत, निवारक स्वास्थ्य प्रथाओं को अपनाने में सशक्त बनाने में सहायक होगी। यह बात भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कही। वे विश्वविद्यालय में अभियान को लांच कर रही थी।

गोहाना। महिला विवि में 'देश का प्रकृति परीक्षण अभियान' लांच करते कुलपति प्रो. सुदेश।

कुलपति प्रो. सुदेश ने प्रकृति परीक्षण एप डाउनलोड कर अभियान को महिला विश्वविद्यालय में लांच किया। उन्होंने कहा कि यह ज्ञान प्रतिभागियों को बेहतर स्वास्थ्य और बीमारी की रोकथाम के लिए अपनी जीवन शैली, आहार और व्यायाम दिनचर्या को अनुकूलित करने में सक्षम बनाएगा। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद के अनुसार हर व्यक्ति की अपनी विशिष्ट प्रकृति होती है, जो जन्म के समय ही निश्चित हो जाती है। प्रकृति का ज्ञान व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के संयोजन डा. महेंद्र शर्मा ने इस अभियान की पृष्ठभूमि एवं उद्देश्य पर प्रकाश डाला।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर आयुर्वेद संस्थान की प्राचार्य डा. वीणा अग्रवाल, नोडल अधिकारी डा. गोविंद गुप्ता, डा. जीके पांडा मौजूद रहे।

हरिभूमि

epaper.haribhoomi.com
Rohtak Sonipat 27.11.2024 - 27 Nov 2024 - Page 4

कुलपति ने संविधान में निहित साधनों से अवगत करवाया

गोहाना। महिला विवि में संविधान दिवस कार्यक्रम में शपथ दिलवातीं कुलपति प्रो. सुदेश।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के विधि विभाग द्वारा मंगलवार को भारतीय संविधान की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में संविधान दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। बतौर मुख्य अतिथि महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया और संविधान में निहित साधनों से अवगत करवाया।

कुलपति प्रो. सुदेश ने संविधान निर्मात्री समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अंबेडकर को नमन करते हुए कुलपति ने उनके अभूतपूर्व योगदान को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि हमें अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के लिए भी जागरूक रहना चाहिए। कुलपति ने उपस्थित जन को संविधान शपथ भी दिलवाई। कार्यक्रम को विधि विभाग से डॉ. पवन कुमार ने भी संबोधित किया। विधि विभाग की अध्यक्ष डॉ. सीमा दहिया ने कार्यक्रम की रूपरेखा साझा की। इस दौरान संविधान पर आधारित एक क्विज कंपटीशन भी आयोजित किया गया। क्विज संयोजक डॉ. प्रमोद मलिक ने बताया कि नैना व कशिश की टीम प्रथम, बूंद व माधवी की टीम दूसरे स्थान पर रही।

भिवानी, बुधवार, 27 नवम्बर 2024

संवैधानिक मूल्यों को सुदृढ़ करने की दिशा में सामूहिक प्रयास किए जाने की जरूरत : कुलपति प्रो. सुदेश

संविधान दिवस पर क्विज में नैना व कशिश की टीम प्रथम

खानपुर कलां, चेतना संवाददाता। हमें अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक रहना चाहिए। भारत का संविधान जहां हमें अपने मौलिक अधिकारों के संरक्षण का अधिकार देता है, वहीं हमें राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों के पालन की प्रेरणा भी देता है। ये विचार भगत फूल सिंह महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने विधि विभाग द्वारा मंगलवार को भारतीय संविधान की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित संविधान दिवस कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कहे। उन्होंने इस कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए उपस्थित जन को संविधान दिवस की शुभकामनाएं दी। अपने प्रभावशाली संबोधन में कुलपति प्रो. सुदेश ने संविधान निर्माण की प्रक्रिया और इसमें निहित साधनों से अवगत कराया। संविधान निर्मात्री सभा के महत्व

को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि अलग-अलग पृष्ठभूमि से आए संविधान सभा के सदस्य सबसे विविध हितों का प्रतिनिधित्व करते थे। सभी सदस्यों ने संविधान निर्माण के दौरान जटिल मुद्दों पर ईमानदारी और दृढ़ विश्वास के साथ चर्चा और बहस की। कुलपति ने कहा कि कानून, नीति और शासन के जटिल मुद्दों पर एक साथ आने, चर्चा करने और बहस करने की यह क्षमता संविधान सभा की पहचान थी।

संविधान निर्मात्री समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अंबेडकर को नमन करते हुए कुलपति प्रो. सुदेश ने उनके अभूतपूर्व योगदान को स्मरण किया।

संविधान निर्मात्री सभा में शामिल महिला शक्ति को भी उन्होंने याद किया। उन्होंने संवैधानिक मूल्यों को सुदृढ़ करने की दिशा में सामूहिक प्रयास किए जाने की जरूरत पर बल दिया। कुलपति कुलपति ने उपस्थित जन को संविधान शपथ भी दिलवाई।

वक्ता के रूप में विधि विभाग से डॉ. पवन कुमार ने संविधान के ऐतिहासिक प्रारूप सहित वर्तमान में संविधान के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि संविधान में दिए गए अधिकारों के चलते महिलाएं शिक्षा, खेल, राजनीति सहित प्रत्येक क्षेत्र में अहम भूमिका निभा रही हैं।

प्रारंभ में विधि विभागाध्यक्षा डॉ. सीमा दहिया ने स्वागत संबोधन किया तथा कार्यक्रम की रूपरेखा साझा की।

इस मौके पर संविधान पर आधारित एक क्विज कंपटीशन भी आयोजित किया गया, जिसमें नैना व कशिश की टीम प्रथम, बूंद व माधवी की टीम दूसरे तथा कविता शर्मा व बरखा जैन की टीम तीसरे स्थान पर रही। इस दौरान विधि विभाग के प्राध्यापक, शोधार्थी एवं छात्राएं मौजूद रही।